

---

# Somakantakritam Pratahsmaranam

---

## सोमकान्तकृतं प्रातःस्मरणम्

---

### Document Information

---

Text title : Somakantakritam Pratahsmaranam

File name : gaNeshaprAtaHsmaraNaMsomakAntakRRitam.itx

Category : ganesha, gaNeshapurANa, suprabhAta

Location : doc\_ganesha

Proofread by : Preeti Bhandare

Description/comments : shrIgaNeshapurANaM upAsana (pUrva)khaNDaH | adhyAya 3 | 1.3 7-12||

Latest update : April 20, 2024

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

April 20, 2024

*sanskritdocuments.org*

---

सोमकान्तकृतं प्रातःस्मरणम्



श्रीगणेशाय नमः ।

सोमकान्त उवाच ।

प्रातर्नमामि गणनाथमशेषहेतुं  
ब्रह्मादिदेववरदं सकलागमाढ्यम् ।  
धर्मार्थकामफलदं जनमोक्षहेतुं  
वाचामगोचरमनादिमनन्तरूपम् ॥ ७ ॥

प्रातर्नमामि कमलापतिमुग्रवीर्यं  
नानावतारनिरतं निजरक्षणाय ।  
क्षीराब्धिवासममराधिपबन्धुमीशं  
पापापहं रिपुहरं भव मुक्तिहेतुम् ॥ ८ ॥

प्रातर्नमामि गिरिजापतिमिन्दुमौलिं  
व्याघ्राजिनांवृतमुदस्तदयंमनोजे ।  
नारायणेन्द्रवरदं सुरसिद्धजुष्टं  
सर्पास्त्रिशूलडमरुदधतं पुरारिम् ॥ ९ ॥

प्रातर्नमामि दिननाथमघोपहारं  
गाढान्धकारहरमुत्तमलोकवन्द्यम् ।  
वेदत्रयात्मकमुदस्तसुरारिमायं  
ज्ञानैकहेतुमुरुशक्तिमुदारभावम् ॥ १० ॥

प्रातर्नमामि गिरिजां भवभूतिहेतुं  
संसारसिन्धु परपारकरीं त्रिनेत्राम् ।  
तत्त्वादिकारणमुदस्तसुरारिमायां  
मायामयीं सुरमुनीन्द्रनुतां सुरेशीम् ॥ ११ ॥

एवमन्यांश्च संस्मृत्य देवान्मुनिगणांस्तथा ।  
मानसैरूपचारैश्च पूजयित्वा क्षमापयेत् ॥ १२ ॥


इति सोमकान्तकृतं प्रातःस्मरणं सम्पूर्णम् ॥


- ॥ श्रीगणेशपुराणं उपासना (पूर्व)खण्ड । अध्याय ३ । १.३ ७-१२ ॥

- .. shrIgaNeshapurANaM upAsanA (pUrva)khaNDa . adhyAya 3 . 1.3 7-12..

Proofread by Preeti Bhandare

---

——  
*Somakantakritam Pratahsmaranam*  
pdf was typeset on April 20, 2024

——  
Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

